थारा उड़ गया केश काला रे डोकरा कद फेरेलो माला भजन लिरिक्स

थारा उड़ गया केश काला रे डोकरा,
तो कद फेरे लो माला।bd।

दिखे नहीं अबे पड़े भाड़ में,
करें मजा को बाला,
घर की लुगाई कनो नी माने,
उठे कालाजा में जाला,
तो कद फेरे लो माला।bd।

बुडो हुयौ लकड़ी पकड़ी,
धूजन लागा डाला,
मुखडा री सौभा दात पड़ गया,
खाली रह गया आल्हा,
तो कद फेरे लो माला।bd।

माय रो मोह छोड़िए ना जावे,
राखे पेटीयो रे ताला,
गाड़ी घोड़ा थारा पंचर हो गया,
आगे जाणो पाला,
तो कद फेरे लो माला।bd।

बेटा बेटी कुटुम कबीलोथारो,
दिन मे रोवन वाला,
तेरवे दिन थारी बाटे जमिन ने,
तोडे पेटीयो रे ताला,
तो कद फेरे लो माला।bd।

हरि राम वेरगी बोले लागे,
माने रामजी प्यारा,
राम भजन री लगना लागी

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उण मे ही निश तारा,
तो कद फेरे लो माला।bd।

थारा उड़ गया केश काला रे डोकरा,
तो कद फेरे लो माला।bd।

गायक / प्रेषक – रामचन्द्र प्रजापत
8118862911

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com